हिन्दी सिनेमा और भारतीय समाज

सम्पादक
डॉ. सुस्मिता बाला

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
4697/5–21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली–110 002
फोन: 2327 0497, 2328 8285
फैक्स : 011–2328 8285
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

हिन्दी सिनेमा और भारतीय समाज

प्रथम संस्करण–2020
© लेखिका
ISBN: 978-93-89484-41-0

भारत में मुद्रित

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 4697/5–21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002 से मदन सचदेवा द्वारा प्रकाशित; क्वालिटी प्रिंटर्स, दिल्ली द्वारा शब्द–संयोजन तथा नाइस प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

अनुक्रमणिका

आमुख v

प्रस्तावना vii

आभार xi

1. सिनेमाई राष्ट्रवाद और भारत–पाक विवाद पर फ़िल्में: 'उरी–दि सर्जिकल स्ट्राइक' का संकेत–शास्त्रीय अध्ययन 1
डॉ. अम्बरीष सक्सेना, डॉ. सुस्मिता बाला

2. भारतीय सिनेमा में महिलाएं और उनका चित्रण 14
रीटा शर्मा

3. भारतीय सिनेमा में महिलाओं का चित्रण 27
निशा मोठे सैनी

4. भारतीय हिंदी सिनेमा और सामाजिक चेतना 37
सुमन

5. सभ्य समाज के पेंचोखम के 'दरमियां' बॉलीवुड में थर्ड जेंडर 42
सूरज कुमार सिंह

6. बीबीसी हिंदी डॉट कॉम पर मनोरंजन की खबरों के कंटेंट का स्तर: एक अध्ययन 50
वंदना यादव

7. बालीवुड का भारतीय समाज पर असर — 60
कमल पन्त

8. बाहुबली–भारतीय सिनेमा का एक अभिनव प्रयोग–एक अध्ययन — 72
डॉ. सुखनन्दन सिंह

9. आधुनिक सिनेमा और युवा वर्ग — 86
राहुल जोशी

10. सामाजिक मुद्दों को समाहित करता हिन्दी सिनेमा का नया दौर–एक अध्ययन — 94
दीपक कुमार एवं सौरभ कुमार

11. स्वातंत्र्योत्तर भारत में डॉक्युमेंट्री सिनेमाः कला व वैचारिकी विषयक अध्ययन — 103
चारु चन्द्र पाठक एवं प्रमोद कुमार पाण्डे

12. जिंदगी को और जिंदा बनाने वाली फिल्मों का दर्शकों पर प्रभाव और अध्ययन — 112
आदर्श कुमार

13. बॉलीवुड में जेलें और हाशिए के पार खड़ा कैमरा — 119
डॉ. वर्तिका नन्दा

लेखक परिचय — 125

1

सिनेमाई राष्ट्रवाद और भारत–पाक विवाद पर फ़िल्में: 'उरी–दि सर्जिकल स्ट्राइक' का संकेत–शास्त्रीय अध्ययन

डॉ. अम्बरीष सक्सेना, डॉ. सुस्मिता बाला

राष्ट्रवाद की विचारधारा की बुनियादी विशेषताओं में एक राष्ट्र, स्वत्व की भावना, विशिष्ट भाषा और धर्म, सुपरिभाषित भू–भाग और साझा हित शामिल हैं। राष्ट्रवाद के महत्वपूर्ण उपकरणों में झंडा, प्रेस, रेडियो, टेलिविज़न, फ़िल्में और डिजिटल मीडिया शामिल हैं। भारत में, राष्ट्रवाद क्षेत्रीय अखंडता को और नागरिकों को बाहरी आक्रमणों व आतंकवाद के ख़िलाफ़ मुकाबला करने के लिए तैयार करने को दर्शाता है। राष्ट्रवाद किसी दुश्मन के मौजूद होने पर फलता–फूलता है और भारतीय संदर्भ में पाकिस्तान इस उद्देश्य को पूरा करता है। चाहे समाचार हों या मनोरंजन, भारतीय मीडिया में पाकिस्तान को दुश्मन देश के रूप में चित्रित किया जाता है। भारतीय सिनेमा शहीद होने और दुश्मन पर जीत हासिल करने के रूप में राष्ट्रवाद को महिमामंडित करता है। आज़ादी के बाद से, भारत में भारत–पाकिस्तान विवाद पर युद्ध व टकरावों पर अनगिनत फ़िल्में बनी हैं। पिछले दो दशकों में बनी ऐसी ही कुछ फ़िल्मों में बॉर्डर (1997), मिशन कश्मीर (2000), रेफ़्यूजी (2000), एलओसी कारगिल (2003), ज़मीन (2003) और 1971 (2007) है।

11

स्वातंत्र्योत्तर भारत में डॉक्युमेंट्री सिनेमा: कला व वैचारिकी विषयक अध्ययन

चारु चन्द्र पाठक एवं प्रमोद कुमार पाण्डे

वर्ष 1948 में डॉक्युमेंट्री व न्यूजरील प्रोडक्शन की एजेंसी के रूप में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत स्थापित फिल्म्स डिविजन ऑफ इंडिया को सामान्यतः राजकीय प्रचार के एक उपकरण के तौर पर देखा जाता था। परंतु, शीघ्र ही फिल्म्स डिविजन के भीतर, डॉक्युमेंट्री सिनेमा के रूप व अंतर्वस्तु को लेकर विभिन्न विचार व बहसें उभरने लगीं। साथ ही, 1971 में ग्रियर्सन ने भारत की अपनी यात्रा के दौरान भारतीय डॉक्युमेंट्री सिनेमा को लेकर महत्वपूर्ण विचार रखे जिन्होंने उस समय की मौजूदा बहस को एक नया आयाम दिया। प्रस्तुत शोध–पत्र स्वातंत्र्योत्तर भारत में, शुरुआती चार दशकों के दौरान, डॉक्युमेंट्री सिनेमा के कला व विचार पक्ष का एक ऐतिहासिक अध्ययन करता है। शोध पत्र में स्वतंत्रता–पूर्व की भारतीय डॉक्युमेंट्री सिनेमा द्वारा तैयार की गई जमीन की संक्षिप्त चर्चा की जायेगी। इसके लिए प्रस्तुत अध्ययन में विभिन्न शोध–पत्रों, पुस्तकों, साक्षात्कारों और भारतीय डॉक्युमेंट्री सिनेमा के कला व विचार पक्ष के प्रमुख बिंदुओं की पड़ताल करने का प्रयास किया जायेगा।

About Delhi Metropolitan Education

Delhi Metropolitan Education (DME) is an 'A' grade premier educational institute affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi and approved by Bar Council of India. The institute offers state of the art infrastructure with strong academic facilities to provide a dynamic and clinical grounding for success. DME offers course in Law, Journalism and Management.

₹ 500

ISBN 978-93-89484-41-0

KANISHKA PUBLISHERS, DISTRIBUTORS
4697/5-21A, ANSARI ROAD, DARYA GANJ, NEW DELHI-110002
PHONES: 23270497, 23288285 FAX: 23288285
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in